प्रीलिम्स फैक्ट्स : 2 जनवरी, 2018

महिला सशक्तीकरण के लिये ऑनलाइन पोर्टल 'नारी'
To empower women inaugurate an online portal NARI

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिये केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (Ministry of Women & Child Development) द्वारा एक ऑनलाइन पोर्टल 'नारी' (NARI) शुरू किया गया है। इस पोर्टल को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा ही विकसित भी किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इस पोर्टल के माध्यम से महिलाएँ उनके संदर्भ में चलाई जा रही सरकारी योजनाओं और पहलों के विषय में आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकती हैं।
- इन सारी सूचनाओं को एक स्थान पर सुलभ कराने के उद्देश्य से 'नारी' पोर्टल में महिलाओं के कल्याण के लिये चलाई जा रही तकरीबन 350 सरकारी योजनाओं से संबंधित सभी महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ उपलब्ध कराई गई हैं।
- इतना ही नहीं इस पोर्टल पर विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के लिये महत्त्वपूर्ण लिंक भी दिये गए हैं।
- 'नारी' पोर्टल में महिलाओं के जीवन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर जानकारी उपलब्ध कराई गई है।
- इस पर पोषण, स्वास्थ्य जाँच, बीमारी, नौकरी, साक्षात्कार, निवेश और बचत सलाह, महिलाओं के खिलाफ अपराध, कानूनी सहायता उपलब्ध कराने वालों के नम्बर, गोद लेने की सरल प्रक्रिया आदि विषयों पर टिप्स भी दिये गए हैं।

एनजीओ और सिविल सोसायटी के लिये ई-संवाद पोर्टल
e-Samvad portal for NGOs and Civil Societies

इस पोर्टल को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (Ministry of Women & Child Development) एवं एनजीओ और सिविल सोसायटी के मध्य संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से लाया गया है।

प्रमुख बिंदु

- ई-संवाद पोर्टल के माध्यम से एनजीओ और सिविल सोसायटी अपने सुझाव, शिकायत व प्रतिक्रिया दे सकते हैं। इन सभी का जवाब देने के लिये मंत्रालय के उच्च अधिकारियों को इस पोर्टल से संबद्ध किया गया है।
- इसके पहले भी महिलाओं को समान अधिकार, आर्थिक अवसर, सामाजिक सहयोग, कानूनी सहायता, आवास आदि उपलब्ध कराने के लिये केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न योजनाएँ लागू की गई हैं।
- परंतु, अभी भी इन सभी योजनाओं के प्रति जागरूकता का अभाव है।
- उदाहरण के लिये, अधिकांश महिलाएँ इस तथ्य से अनभिज्ञ हैं कि कठिन परिस्थितियों में महिलाओं की सहायता के लिये 168 ज़िलों में 'वन स्टॉप सेंटर' उपलब्ध हैं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवासों के पंजीयन में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है तथा कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा के लिये वित्तीय मदद दी जाती है।

प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम
Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP)

एम.एस.एम.ई. (Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises - MSME) द्वारा प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (Prime Minister's Employment Generation Programme- (PMEGP) का कार्यान्वयन किया जा रहा है. यह नॉन-फॉर्म सेक्टरों में सूक्ष्म-उद्यमों (micro-enterprises) की स्थापना के माध्यम से स्व-रोज़गार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से लाया गया एक प्रमुख क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी कार्यक्रम (credit-linked subsidy programme) है। इसके अंतर्गत क्षेत्रीय कारीगरों और बेरोज़गार युवाओं को सहायता प्रदान करते हुए उन्हें रोज़गारोन्मुख बनाने का प्रयास किया जा रहा है

प्रमुख बिंदु

- ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य श्रेणी के लाभार्थी परियोजना लागत का 25% और शहरी क्षेत्रों में 15% मार्जिन मनी सब्सिडी (margin money subsidy) का लाभ उठा सकते हैं।

- अनुसूचति जाति/अनुसूचति जनजाति/अन्य पछिड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक/महलिा, पूर्व सैनकि, शारीरकि रूप से वकिलांग, एन.आर.आई, पहाड़ी और सीमा क्षेत्रों जैसे वशिष श्रेणयिों से संबंधति लाभार्थयिों के लयि ग्रामीण क्षेत्रों में मार्जनि मनी सब्सडिी 35% और शहरी क्षेत्र में 25% नधिारति की गई है।

लाभ के पात्र कौन-कौन हैं?

- 18 वर्ष से अधकि आयु का कोई भी व्यक्ति इस कार्यक्रम के तहत लाभ का पात्र होगा।
- वनिर्माण क्षेत्र में 10 लाख रुपए और व्यापार/सेवा क्षेत्र में 5 लाख रुपए से अधकि की लागत वाली परयिोजनाओं की स्थापना के लयि लाभार्थयिों के पास कम-से-कम आठवीं कक्षा के स्तर की शैक्षणकि योग्यता होनी चाहयि।
- इसके अंतर्गत परयिोजनाओं की स्थापना करने हेतु अधकितम लागत सीमा वनिर्माण क्षेत्र के लयि 25 लाख रुपए और सेवा क्षेत्र के लयि 10 लाख रुपए नर्धिारति की गई है।

वर्तमान स्थति

- पी.एम.ई.जी.पी. योजना के तहत वर्णति सब्सडिी केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जाती है।
- इस योजना को वर्ष 2008-09 के दौरान शुरू कयिा गया था।
- इसकी स्थापना के बाद से अभी तक कुल 4.47 लाख लघु उद्यमों की सहायता से 9326.01 करोड़ रुपए की मार्जनि मनी सब्सडिी की सहायता वाले अनुमानति 37.32 लाख व्यक्तयिों को 2017-18 (30.11.2017) तक रोज़गार प्रदान कयिा जा चुका है।

नोडल नकिाय

- राष्ट्रीय स्तर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (Khadi and Village Industries Commission - KVIC) इसकी नोडल एजेंसी है।
- राज्य/ज़लिा स्तर पर के.वी.आई.सी., के.वी.आई.बी. और ज़लिा उद्योग केंद्र (District Industry Centres - DIC) के राज्य कार्यालय क्रमशः 30:30:40 के अनुपात में राज्यों में कार्यान्वयन एजेंसयिों के रूप में कार्यरत हैं।

ऑनलाइन पोर्टल

- इसके अंतर्गत एक ऑनलाइन पी.एम.ई.जी.पी. ई-पोर्टल भी शुरू कयिा गया है. इस पोर्टल को 1 जुलाई, 2016 में लॉन्च कयिा गया था।
- इस कार्यक्रम के तहत संपूर्ण प्रक्रयिा को वास्तवकि समय (real time) के अनुरूप ऑनलाइन तैयार कयिा गया है।

नारकोंडम हॉर्नबलि की आबादी में वृद्धि
Narcondam Hornbills Edge Back From the Brink

भारतीय प्राणी वज्ञािन सर्वेक्षण (Zoological Survey of India - ZSI) द्वारा नारकोंडम द्वीप पर नारकोंडम हॉर्नबलि (Narcondam Hornbills) के प्रजनन जोड़ों और युवा पक्षयिों की अच्छी-खासी आबादी को देखा गया है।

प्रमुख बदिु

- जलवायु परविर्तन और सकिुड़ते प्राकृतकि आवासों के कारण वलिुप्त होती प्रजातयिों के बीच लुप्तप्राय नारकोंडम हॉर्नबलि (वैज्ञानकि नाम Rhyticeros Narcondami) की आबादी में वृद्धि पर्यावरण वशिषज्ञों के लयि एक उत्साह का वषिय है।
- मखमली-काले पंख और बडी पीली चोंच वाली नारकोंडम हॉर्नबलि और इसका आवास स्थल 2014 में रक्षा मंत्रालय द्वारा अंडमान और नकिोबार के द्वीपों पर एक Listening Post को स्थापति करने के प्रस्ताव के चलते ववािद का केंद्र बने हुए थे।
- Listening Post वह सामरकि पोस्ट होती हैं, जहाँ से रेडयिो और माइक्रोवेव संकेतों की नगिरानी और उनमें नहिति सूचनाओं का वश्लिेषण कयिा जाता है।
- कई पर्यावरणवदिों और वशिषज्ञों की आपत्तयिों के बावजूद, अंडमान और नकिोबार द्वीप समूह के लेफ्टनिेंट गवर्नर के कार्यालय ने अगस्त 2014 में इनके लयि एक वैकल्पकि आवास नर्मिति करने का सुझाव दयिा था, क्योंकि नारकोंडम सामरकि नगिरानी और रडार स्टेशन स्थापति करने के लयि एक महत्त्वपूर्ण स्थान है।
- कति‍ु, प्रकृति के संरक्षण के लयि अंतर्राष्ट्रीय संघ (International Union for Conservation of Nature-IUCN) और खतरे की कगार पर प्रजातयिों की लाल सूची में इसे लुप्तप्राय (Endangered) माने जाने के कारण रक्षा मंत्रालय ने इस मामले को आगे नहीं बढ़ाया।
- वर्तमान में यहाँ पर एक पुलसि चौकी के अलावा कोई नर्मिाण कार्य नहीं हुआ है।

भौगोलकि स्थति

- 7 वर्ग कमिी. के क्षेत्रफल वाला नारकोंडम द्वीप उत्तरी अंडमान द्वीप के पूर्व में अवस्थति एक ज्वालामुखी द्वीप है।
- यह एक घोषति वन्यजीव अभयारण्य है जो म्याँमार के कोको द्वीप के नकिट अवस्थति है, जहाँ चीन की सैन्य उपस्थति है।
- वर्तमान में इस लुप्तप्राय पक्षी पर एक वस्तिृत अध्ययन की योजना पर वचिार कयिा जा रहा है। वर्ष 2002 में कयि गए अध्ययन में इनकी संख्या लगभग 400 पाई गई थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-02-01-2018